मुद्रित पृष्ठों की संख्या – 2

एम.एच.डी.-20

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि

(एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

एम.एच.डी.-20 : भारतीय भाषाओं में दलित साहित्य

समय : 2 घण्टे | *अधिकतम अंक : 50*

नोट: निम्नलिखित में से कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

---

1. मराठी दलित साहित्य की पृष्ठभूमि की चर्चा करते हुए उसकी वैचारिकता को स्पष्ट कीजिए। 10

2. तेलुगु दलित कविता के उद्‌भव और विकास को रेखांकित कीजिए। 10

3. पंजाबी कविता 'घोड़ा' की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए। 10

4. 'गाँव का कुआँ' तेलुगु कहानी में चित्रित सामाजिक समस्याओं पर प्रकाश डालिए। 10

5. कन्नड़ दलित साहित्य की पृष्ठभूमि और उसके विकास की समीक्षा कीजिए।

6. 'कवच' में दलित स्त्री की व्यथा को स्पष्ट कीजिए। 10

7. 'अक्करमाशी' रचना में व्यक्त दलित चेतना को स्पष्ट कीजिए। 10

8. पंजाबी उपन्यास 'मशालची' की संरचना शिल्प पर प्रकाश डालिए। 10

9. 'अस्पृश्य बसंत' उपन्यास की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए। 10

10. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिये: 2x5=10

(क) 'मशालची' की भाषा

(ख) 'आज का एकलव्य' की मूल संवेदना

(ग) गिद्धानुभूति के मुख्य पात्र

(घ) उर्मिला पवार

—x—